कृषि विज्ञान केन्द्र बरासिन, सुलतानपुर II

प्रगति प्रतिवेदन : पशु पालन

(अक्टूबर, 2019 – जनवरी, 2020)

प्रसार निदेशालय

आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय

नरेन्द्रनगर (कुमारगंज) अयोध्या – 224 229

प्रशिक्षण

केन्द्र पर (कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु)

क्र0सं0	प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण सं0	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या				
				अनुसूचित जाति/जनजाति		अन्य वर्ग		कुल योग
				पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1.	स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामाग्री द्वारा दुधारु पशुओं हेतु सन्तुलित आहार तैयार करना	01	02	04	01	20	02	27
2.	सर्दियों में पशुओं का रख–रखाव एवं प्रबन्धन	01	02	06	03	19	02	30
	कुल योग	02	–	10	04	39	04	57

केन्द्र से बाहर (कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु प्रशिक्षण)

क्र0 सं0	प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण सं0	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या				
				अनुसूचित जाति/जनजाति		अन्य वर्ग		कुल योग
				पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1.	वर्ष भर हरा – चारा उत्पादन तकनीक	01	01	06	02	17	04	29
2.	सर्दियों में दुधारु पशुओं का रख–रखाव एवं प्रबन्धन	01	01	06	06	16	03	31
3.	पशुओं में बाह्य एवं अंतःपरिजीवियों की पहचान एवं उनका नियंत्रण	01	02	02	01	22	01	26
	कुल योग	03	–	14	09	55	08	68

रोजगार परक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण सं0	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या				
			अनुसूचित जाति/जनजाति		अन्य वर्ग		कुल योग
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
बकरी पालन	01	03	03	07	17	01	25
कुल योग	01	–	03	07	17	01	25

सेवाकालीन प्रशिक्षण

प्रशिक्षण विषय	प्रशिक्षण सं0	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियो की संख्या				
			अनुसूचित जाति/जनजाति		अन्य वर्ग		कुल योग
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
पशुओं का आधार प्रबन्धन	01	02	04	0	16	0	20
कुल योग	01	–	04	0	16	0	20

व्यवसायिक (रोजगार परक) प्रशिक्षण
विषय - बकरी पालन

व्यवसायिक (रोजगार परक) प्रशिक्षण
विषय - बकरी पालन

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

फसल	प्रजाति	अवयव	क्षेत्रफल (हे0)	किसानों की संख्या	उपज (कु0/हे0)				वृद्धि प्रतिशत	औसत कुल आय (रु/हे0)		औसत शुद्ध आय (रु/हे0)		लाभःलागत अनुपात
					अधिकतम	न्यूनतम	औसत	स्थानीय		प्रदर्शन	स्थानीय नियन्त्रण	प्रदर्शन	स्थानीय नियन्त्रण	
बरसीम	बुन्देल बरसीम	बीज	0.60	15	प्रदर्शन प्रगति पर है									

कृषक प्रक्षेत्र परीक्षण

पशु : गाय

विषय : गाय के आहार में सन्तुलित कन्सन्ट्रेट मिश्रण काप्रभाव ज्ञात करना

नैदानिक समस्या : गाय के आहार में पोषक तत्वों की कमी एवं उचित मात्रा में कन्सन्ट्रेट मिश्रण न खिलानें से दुग्ध उत्पादन, गर्भधारण क्षमता एवं शरीर भार का प्रभावित होना

उपचार विवरण : $टी_1$: कृषक पद्धति (चराई + 12 किग्रा0 भूसा + 1 किग्रा0 चूनी– चोकर)
$टी_2$: चराई + 10 किग्रा0 भूसा + 04 किग्रा0 कन्सन्ट्रेट मिश्रण (स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामाग्री से निर्मित)

उपचार संख्या : 02

पुनरावृत्ति की संख्या : 03

कुल गाय की संख्या : 06

प्रेक्षणः

तकनीकी

क्र0सं0	प्रेक्षण बिन्दु	उपचार	
		टी1	टी2
1.	दुग्ध उत्पादन(ली0/दिन/पशु)	परीक्षण प्रगति पर है	
2.	गर्भधारण प्रतिशत		
3.	शरीर भार में वृद्धि (किग्रा0/पशु)		

आर्थिक

क्र0 सं0	प्रेक्षण बिन्दु	उपचार	
		टी1	टी2
1.	कुल लागत (रु/दिन/पशु)	परीक्षण प्रगति पर है	
2.	कुल आय (रु/दिन/पशु)		
3.	वास्तविक आय (रु/दिन/पशु)		
4.	लाभ : लागत अनुपात		

कृषक निरीक्षण मानक

क्र0सं0	निरीक्षण बिन्दु	उपचार	
		टी1	टी2
1.	गाय का स्वास्थ्य	परीक्षण प्रगति पर है	
2.	गाय का मूल्य		
3.	सामग्री की उपलब्धता		
4.	सामाजिक स्वीकार्यता		
5.	दुग्ध उत्पादन में वृद्धि		

कार्य योजना – पशु पालन

(फरवरी – दिसम्बर, 2020)

प्रशिक्षण

केन्द्र पर (कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु)

क्र0 सं0	प्रशिक्षण विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1.	पशुओं का रख–रखाव एवं प्रबन्धन	फरवरी,2020	02	28
2.	स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों द्वारा दुधारु पषुओं हेतु सन्तुलित आहार तैयार करना	मार्च,2020	02	26
3.	पशुओं में टीकाकरण एवं उसका महत्व	मई,2020	02	30
4.	पशुओं में बाहय एवं अन्तः परजीवियों की पहचान एवं उनका नियंत्रण	जुलाई,2020	02	28
5.	वर्ष भर हरा–चारा उत्पादन एवं संरक्षण तकनीक	सितम्बर,2020	02	27
6.	पशुओं के प्रमुख रोग एवं उनका निदान	नवम्बर,2020	02	29
योग				168

केन्द्र से बाहर (कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु)

क्र0सं0	प्रशिक्षण विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1.	पशुओं में बाहय एवं अन्तः परजीवियों की पहचान एवं उनका नियंत्रण	फरवरी,2020	01	30
2.	स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों द्वारा दुधारु पशुओं हेतु सन्तुलित आहार तैयार करना	मार्च,2020	01	27
3.	गर्मियों में पशुओं का रखरखाव एवं प्रबन्धन	अप्रैल,2020	01	28
4.	पशुओं के प्रमुख रोग एवं उनका निदान	मई,2020	01	30
5.	पशुओं में टीकाकरण एवं उसका महत्व	जून,2020	01	26
6.	पशुओं के प्रमुख रोग एवं उनका निदान	जुलाई,2020	01	28
7.	पशुओं में बाहय एवं अन्तः परजीवियों की पहचान एवं उनका नियंत्रण	अगस्त,2020	01	30
8.	वर्ष भर हरा–चारा उत्पादन तकनीक	सितम्बर,2020	01	27
9.	स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों द्वारा दुधारु पशुओं हेतु सन्तुलित आहार तैयार करना	अक्टूबर,2020	01	26
10.	स्वच्छ दुग्ध उत्पादन तकनीक	नवम्बर,2020	01	31
11.	सर्दियों में पशुओं का रखरखाव एवं प्रबन्धन	दिसम्बर,2020	01	29
योग				312

रोजगार परक प्रशिक्षण

क्र0सं0	प्रशिक्षण विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1.	व्यवसायिक पशुपालन	फरवरी, 2020	05	25
2.	कुक्कुट उत्पादन तकनीक	मई, 2020	05	25
3.	बकरी पालन	जुलाई, 2020	05	25
4.	कुक्कुट उत्पादन तकनीक	अक्टूबर, 2020	05	25
5.	व्यवसायिक पशुपालन	दिसम्बर, 2020	05	25
	योग			125

सेवाकालीन प्रशिक्षण

क्र0सं0	प्रशिक्षण विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1.	पशुओं का रखरखाव एवं प्रबन्धन	फरवरी, 2020	02	15
2.	हरा–चारा उत्पादन एवं संरक्षण तकनीक	मार्च, 2020	02	15
3.	पशुओं में टीकाकरण एवं उसका महत्व	जून, 2020	02	15
4.	पशुओं के प्रमुख रोग एवं उनका निदान	अगस्त, 2020	02	15
5.	पशुओं का आहार प्रबंधन	सितम्बर, 2020	02	15
6.	दुग्ध उत्पादन में खनिज एवं विटामिन्स का योगदान	नवम्बर, 2020	02	15
	योग		12	90

पशु शिविर

क्र0सं0	प्रशिक्षण विषय	माह	अवधि (दिन)	पशुओ की संख्या
1.	पशु स्वास्थ्य एवं टीकाकरण शिविर	मई, 2020	01	100
2.	पशु बांझपन एवं टीका करण शिविर	जून, 2020	01	100
3.	पी0पी0आर0 टीकाकरण एवं स्वास्थ्य शिविर	नवम्बर, 2020	01	100
	योग			300

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम	उद्देश्य	प्रजाति/नस्ल	कृषकों की सं0	क्षेत्रफल हे0/संख्या	प्रचलित पद्धति	प्रयुक्त तकनीक	आपूर्ति किये जाने वाले क्रान्तिक निवेश
हरा–चारा उत्पादन (संकर नैपियर घास)	बहु कटाई वाले बहुवर्षीय हरे–चारे को बढ़ावा देना	एन0वी0–21	10	0.2 हे0	• बहु कटाई वाले बहुवर्षीय हरे–चारे का उत्पादन न करना • मौसमी हरे–चारे का प्रयोग	• रोपण तकनीक • जल प्रबन्धन तकनीक • बहु कटाई वाले बहुवर्षीय हरा–चारा का उत्पादन एवं प्रयोग	• जड़
बकरी पालन (क्रमोन्नति प्रजनन द्वारा देशी बकरियों में नस्ल सुधार)	बरबरी नस्ल की बकरियों के पालन हेतु प्रेरित करना	बरबरी	03	03	• देशी नस्ल के बकरे का प्रयोग	• बरबरी नस्ल के बकरे द्वारा क्रमोन्नति प्रजनन	• बरबरी, बकरा

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम	उद्देश्य	प्रजाति/नस्ल	कृषकों की सं0	क्षेत्रफल हे0/संख्या	प्रचलित पद्धति	प्रयुक्त तकनीक	आपूर्ति किये जाने वाले क्रान्तिक निवेश
भैंस/गाय	पशुओं को अन्तः परजीवियों से रहित करने एवं आहार में खनिज लवण मिश्रण के प्रयोग हेतु प्रेरित करना	देशी/दोगली	20	20 पशु	• उचित समय पर अन्तः परजीवियों का उपचार न करना • आहार में खनिज लवण मिश्रण का प्रयोग नहीं (यदा– कदा नमक का प्रयोग)	• प्रत्येक छः माह पर अन्तः परजीवियों से रहित कराना • आहार में 50 ग्रा0 प्रतिदिन प्रतिपशु खनिज लवण मिश्रण का प्रयोग	• अन्तः परजीवी नाशक दवाई (बैण्डी प्लस बोलस) • खनिज लवण मिश्रण
बरसीम	बहु कटाई वाली बरसीम के उत्पादन को बढ़ावा देना	बुन्देल बरसीम	15	0.60	• देसी प्रजाति के बीजों का प्रयोग	• बहुकटाई एवं उन्नतशील बीज का प्रयोग	• बीज

कृषक प्रक्षेत्र परीक्षण–1

पशु : भैंस

विषय : भैंस के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने में यूरिया–शीरा–खनिज पिण्ड का प्रभाव ज्ञात करना।

नैदानिक समस्या : आहार में पोषक तत्वों की कमी के कारण भैस के दुग्ध उत्पादन एवं गर्भधारण क्षमता का प्रभावित होना।

- उपचार विवरण : टी1 : कृषक पद्धति (यूरिया–शीरा–खनिज पिण्ड का अनुप्रयोग, यदा–कदा 35 ग्राम नमक का प्रयोग)
  टी2 : टी1 + यूरिया–शीरा–खनिज पिण्ड (120 दिन के लिए)
- उपचार संख्या : 02
- पुनरावृत्ति की संख्या : 03
- कुल भैंस की संख्या : 06
- क्रान्तिक निवेश : यूरिया–शीरा–खनिज पिण्ड

•प्रेक्षण :

अ. तकनीकी :

- •दुग्ध उत्पादन (ली0/पशु/दिन)
- •गर्भ धारण क्षमता (प्रतिशत)

ब. आर्थिक :

- •कुल लागत (रु/पशु)
- •कुल आय (रु/पशु)
- •वस्तविक आय (रु/पशु)
- •लाभ : लागत अनुपात

स. कृषक निरीक्षण मानक :

- •भैसं का स्वास्थ्य
- •भैस का मूल्य
- •सामाजिक स्वीकार्यता
- •सामाग्री की उपलब्धता
- •दुग्ध उत्पादन में वृद्धि

कृषक प्रक्षेत्र परीक्षण–2

पशु : गाय

विषय : गाय के आहार में सन्तुलित कन्सन्ट्रेट मिश्रण का प्रभाव ज्ञात करना।

नैदानिक समस्या : भैस के आहार में पोषक तत्वों की कमी एवं उचित मात्रा में कन्सन्ट्रेट मिश्रण न खिलानें से दुग्ध उत्पादन,गर्भधारण क्षमता एवं शरीर भार का प्रभावित होना।

- उपचार विवरण : $टी_1$: कृषक पद्धति (चराई + 12 किग्रा0 भूसा + 1 किग्रा0 चूनी– चोकर)
  $टी_2$: चराई + 10 किग्रा0 भूसा+ 04 किग्रा0 कन्सन्ट्रेट मिश्रण (स्थानी स्तर पर उपलब्ध सामाग्री से निर्मित)
- उपचार संख्या : 02
- पुनरावृत्ति की संख्या : 06
- कुल भैंस की संख्या : 12

•प्रेक्षण :

अ. तकनीकी :

- •दुग्ध उत्पादन (ली0/दिन/पशु)
- •शरीर भार में वृद्धि (किग्रा0/पशु)
- •गर्भधारण प्रतिशत

ब. आर्थिक :

- •कुल लागत (रु/दिन/पशु)
- •कुल आय (रु/दिन/पशु)
- •वास्तविक आय (रु/दिन/पशु)
- •लाभ : लागत अनुपात

स. कृषक निरीक्षण मानक

- •गाय का स्वास्थ्य
- •गाय का मूल्य
- •सामग्री की उपलब्धता
- •सामाजिक स्वीकार्यता
- •दुग्ध उत्पादन में वृद्धि

धन्यवाद